|| गंगा मैया की आरती ||

ॐ जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता।
जो नर तुझको ध्याता, जो नर तुझको ध्याता,
मनवांछित फल पाता | ॐ जय गंगे माता.....
चन्द्र सी ज्योत तुम्हारी,
जल निर्मल आता, मैया जल निर्मल आता,
शरण पड़े जो तेरी, शरण पड़े जो तेरी,
सो नर तर जाता ॥ ॐ जय गंगे माता.....
पुत्र सगर के पारे,
सब जग को ज्ञाता, मैया सब जग को ज्ञाता,
कृपा दृष्टि तुम्हारी, कृपा दृष्टि तुम्हारी,
त्रिभुवन सुख दाता ॥ ॐ जय गंगे माता.....
एक बार ही जो तेरी,
शरणागति आता, मैया शरणागति आता,
यम की त्रास मिटाकर, यम की त्रास मिटाकर,
परमगति पाता ॥ ॐ जय गंगे माता.....
आरती मात तुम्हारी,
जो जन नित्त गाता, मैया जो जन नित्त गाता,
दास वही सहज में, दास वही सहज में,
मुक्ति को पाता ॥ ॐ जय गंगे माता.....
ॐ जय गंगे माता, श्री जय गंगे माता।
जो नर तुझको ध्याता, जो नर तुझको ध्याता |
मनवांछित फल पाता ॥ ॐ जय गंगे माता.....

www.hanumanchalisalyric.com